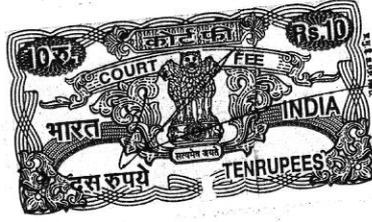


न्यायालय श्रीमान् सदस्य राजस्व मण्डल कैम्प रीवा, म०प्र०

देश 1160/15



2899/2014

रमेश वैसवाल

आवेदक

बनाम्

अनावेदक

म०प्र० शासन

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 35(3)

म०प्र०भू-राजस्व संहिता 1959 ई०

मान्यवर

आवेदन पत्र के आधार निम्नलिखित है :-

- 1- यह कि उन्मानित निगरानी अंतर्गत धारा 50 म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 ई० माननीय न्यायालय में आज दिनांक को पंजीयन तर्क हेतु नियत थी।
- 2- यह कि प्रकरण में सुनवाई की पुकार के दौरान प्रकरण की पैरबी कर रहे अधिवक्ता सिविल न्यायालय कोर्ट के एक अन्य प्रकरण में गवाही करा रहे थे, जिससे उक्त प्रकरण में सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं हो सके, जिससे अधिवक्ता व आवेदक की अनुपस्थिति में प्रकरण अदम पैरबी में खारिज कर दिया गया है।
- 3- यह कि आवेदक व उसके अधिवक्ता द्वारा जानबूझकर कोई लापरवाही नहीं बरती गई है, बल्कि भूलवश प्रकरण में उपस्थित नहीं हो सके थे, जिस कारण प्रकरण को पुनः सुनवाई में लिया जाना न्याय हित में आवश्यक होगा।

अतः प्रार्थना है कि आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 35(3) म०प्र० भू-राजस्व संहिता का स्वीकार किया जाकर प्रकरण पर कार्यवाही किये जाने की कृपा की जाय।

आवेदक

रमेश वैसवाल

दिनांक

18/5/15

M

द्वारा

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. ^{३१२०} R. 1160/11/15 जिला सिगाएली

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
10-02-16	<p>आवेदन अधिवक्ता विकास मिश्रा को सुनाया। आवेदन अधिवक्ता द्वारा रैस्ये-आवेदन के साथ आक्षेपित आदेश की प्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत की गईं। इसके साथ ही डाकू पैली में लगे हुए प्रमाण का प्रमाण पुस्तक एवं आदेश दिनांक भी अंकित की किया गया है।</p> <p>आवेदन अधिवक्ता को याचिका में आक्षेपित आदेश की प्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत की गईं दिनांक 30-1-16 तक का समय दिया गया। उनके द्वारा निर्धारित समयवादी में लगे हुए आक्षेपित प्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत कीं। जिससे यह स्पष्ट है कि वे प्रमाण को और चर्च में पूर्णतः उपस्थित होकर नये ही ले रहे हैं। अतः यह रैस्ये-आवेदन दिनांक 14-5-15 को लगे हुए प्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत किया जा रहा है। पक्षकार लगे हुए हैं। प्रमाणित प्रतियाँ लीं।</p>	<p><i>[Signature]</i> 10.2.16 लक्ष्मण</p>